रेलवे लाइनों के दोनों ओर तार लगाना

३६६. **श्री भगवान दीन** : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पूर्वोत्तर रेलवे की रेलवे लाइन के दोनों ओर कितनी दूरी में तार लगी हुई है और कितने में नहीं लगी हुई है;

(ख) इस में तार न लगाने के क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार को पता है कि तार न लगी होने के कारण कई जानवर गाड़ियों से कुचले जाते हैं;

(घ) गत तीन वर्षों में इस प्रकार कितने पशु कुचले गये; और

(ङ) क्या सरकार के पास पशुओं को गाड़ियों से कुचलने से बचाने के लिये कोई योजना है और यदि हां, तो वह क्या है ?

रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) और (ख) तार की बाड़ केवल स्टेशन यार्ड, उपनगरी क्षेत्र (suburbs) और कारखानों के इर्द-गिर्द और खास समपारों के पास लगायी जाती है ।

(ग) जी, हां ।

(घ) पिछले तीन साल में पूर्वोत्तर रेलवे में मवेशियों के कटने की दुर्घटनायें इस प्रकार हैं :—

१९५४-५५ में ९५, १९५५-५६ में ७९ और १९५६-५७ में ११२ ।

(ङ) दुर्घटनाओं को कम करने के लिये नीचे लिखे उपाय किये गये हैं :

(१) इस रेलवे में उपयुक्त जगहों पर समपार और मवेशियों के लिये फाटक बनाये गये हैं ।

(२) जिन समपारों पर फाटक लगे उन के दोनों ओर ५० फीट तक बाढ़े लगायी गयी है ताकि बिना देख-रेख वाले मवेशी लाइन पार न करने पायें ।

(३) रेलवे की जमीन जब घास काटने के लिये पट्टे पर दी जाती है, उस समय करार में यहबात साफ-साफ लिख दी जाती है कि उस जमीन में मवेशियों को चरने नहीं दिया जायेगा ।

यात्री सुविधाएं

३६७. **श्री भगवान दीन** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को विदित है कि गोरखपुर डिवीजन के बहराइच जिले में मीहीपुरवा और कतरनियांघाट स्टेशनों पर प्रतीक्षालय नहीं हैं; और

(ख) यदि हां, तो इस विषय में क्या कार्यवाही की गई है ?

रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) और (ख). जी, हां । इन स्टेशनों पर ऊंचे दर्जे के यात्रियों के लिये प्रतीक्षालय नहीं हैं, लेकिन यहां तीसरे दर्जे के यात्रियों के लिये प्रतीक्षालय पहले से बने हैं। इन स्टेशनों पर आने-जाने वाले ऊंचे दर्जे के यात्रियों की दैनिक औसत संख्या क्रमशः ३ और १५ है, इसलिये मिहिनपुरवा स्टेशन पर प्रतीक्षालय बनाने का कोई उचित कारण नहीं है । कतरनियांघाट स्टेशन पर ऊंचे दर्जे का प्रतीक्षालय बनाने का सुझाव रेल उपभोक्ता सुविधा समिति (Railway Users' Amenities Committee) के सामने रखा जायेगा ।

गोंडा-कतरनियाघाट लाइन पर रेल गाड़ियां

३६८. **श्री भगवान दीन** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार का गोंडा जंक्शन के रात के आठ बजे बहराइच पहुंचने वाली गाड़ी को मीहीपुरवा से आगे कतरनियांघाट तक बढ़ाने का विचार है क्योंकि इस से वहां के व्यापारी एक दिन में कम से कम दो बार आ जा सकेंगे ?